नाटॅनल डिजिटल लाइब्रेरी एवं वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन के अंतर्गत डिजिटल संसाधनों ई– बुक्स एवं अन्य डेटाबेसों के उपयोग पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम दिनांक 10/02/2026

रिपोर्ट

दिनांक 10 फरवरी 2026 को अपराह्न 30:30 बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के तिलक सभागार में वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन एवं नॉटनल डिजिटल लाइब्रेरी डाटावेस के अंतर्गत उपलब्ध डिजिटल संसाधनों ई–बुक्स तथा विश्वविद्यालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए विभिन्न डेटाबेसो के प्रभावी उपयोग पर एक उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथियों का स्वागत विश्वविद्यालय के पुस्तकालय प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 आर0 जे0 मौर्य द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा डिजिटल संसाधनों की वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य में महत्ता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में नॉटनल डिजिटल लाइब्रेरी डेटाबेस के प्रतिनिधि द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया जिसमें डेटाबेस के उपयोग की विधि लॉग.इन प्रक्रिया उन्नत खोज, विषयवार सामग्री खोजने की तकनीक तथा ई–बुक्स

डाउनलोड एवं संदर्भ प्रबंधन के तरीकों का विस्तृत प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों को लाइव डेमो के माध्यम से डेटाबेस की विभिन्न सुविधाओं से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए अन्य ई–रिसोर्सेज ई–बुक प्लेटफॉर्म एवं शोध डेटाबेसों की जानकारी भी दी गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि इन संसाधनों का उपयोग शोध पत्र लेखन, प्रोजेक्ट निर्माण तथा अकादमिक गुणवत्ता संवर्धन में किस प्रकार सहायक सिद्ध होगा।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो0 सत्यकाम जी ने कहा कि वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना उच्च शिक्षा एवं शोध को नई दिशा प्रदान कर रही है। इससे देशभर के शिक्षकों एवं शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण ई.जर्नल्स ई.बुक्स एवं शोध डेटाबेस तक समान रूप से पहुंच सुनिश्चित हो रही है। नॉटनल के प्रतिनिधि को आवश्यक सुधार हेतु अपेक्षित सुझाव देते हुए इसे विश्वविद्यालय के एप एकलब्य से जोडने हेतु कहा तथा बताया की किस प्रकार यह हमारे दूरस्थ विद्यार्थियों हेतु कितना

उपयोगी हो सकता है उन्होंने सभी संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों से इन संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य एवं शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय में डिजिटल शिक्षण एवं शोध संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

मीडिया के आइने से

दैनिक हिन्दुस्तान 11/02/2026

राजर्षि टंडन मुक्त विवि की लाइब्रेरी हुई डिजिटल

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय अब डिजिटल हो गया है। ई-बुक्स, ई-जर्नल्स, शोध प्रबंध, ई-पत्रिकाएं, ऑनलाइन डेटाबेस, शैक्षणिक वेबसाइट आदि कंटेंट उपलब्ध हैं। साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी पोर्टल के माध्यम से इन संसाधनों तक पहुंच की सुविधा उपलब्ध है। सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में मंगलवार को पुस्तकालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सत्यकाम ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के 100 से अधिक शोध छात्रों को इसका अधिक से अधिक लाभ मिलेगा। कहा, लाइब्रेरी के डिजिटल होने से अब विद्यार्थी शोध गंगा, ईपीजीपाठशाला, एनडीएलआई, डीओएजे, इन्फ्लिबनेट जैसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

दैनिक जागरण 11/02/2026

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी पूरी तरह डिजिटल

- शोध को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सशक्त बना सकेंगे छात्र
- ओपन एक्सेस संसाधनों तक 24 घंटे निर्बाध पहुंच की गई सुनिश्चित

जासं, प्रयागराज : शोध और अध्ययन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय को पूरी तरह डिजिटल स्वरूप प्रदान कर दिया गया है। इस पहल के साथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शोधार्थी और शिक्षक अब पारंपरिक पुस्तकों की सीमाओं से बाहर निकलकर वैश्विक डिजिटल ज्ञान-संसाधनों से सीधे जुड़ सकेंगे। डिजिटल लाइब्रेरी पोर्टल के माध्यम से ओपन एक्सेस संसाधनों तक 24 घंटे पहुंच सुनिश्चित की गई है।

विश्वविद्यालय में आयोजित एक प्रस्तुति कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने डिजिटल लाइब्रेरी की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में 100 से अधिक शोध छात्र पंजीकृत हैं, जिन्हें इस डिजिटल लाइब्रेरी से प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इस डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से शोधार्थी शोध गंगा, ई-पीजी पाठशाला, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी आफ इंडिया, डीओएजे तथा इन्फ्लिबनेट जैसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म का प्रभावी उपयोग कर पाएंगे। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डा. राम जन्म मौर्य ने कहा यह प्रस्तुति कार्यक्रम डिजिटल युग में पुस्तकालय की बदलती भूमिका को समझने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

मुक्त विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी को डिजिटल स्वरूप के प्रस्तुतिकरण की जानकारी देते कुलपति प्रो. सत्यकाम ● सौ. मुवि

अमर उजाला (दैनिक) 11/02/2026

छात्रों को डिवाइस वितरित की जाएगी।

निर्देश के अनुसार डीएलएड प्रशिक्षण बैच 2023 एवं उससे आगे के बैच के प्रशिक्षुओं का ही डाटा पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। बैच 2023 से पूर्व के प्रशिक्षुओं का डाटा न तो संस्थान द्वारा अपलोड किया जाएगा और न ही जनपद स्तर पर स्वीकृत किया जाएगा।

में कितने पद खाली है और क्या सरकार इन्हें भरने के लिए विज्ञापन जारी करेगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव के बताया कि पीजीटी के 50 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से तथा 50 प्रतिशत पद

डिजिटल हुआ मुक्त विवि का केंद्रीय पुस्तकालय

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय अब डिजिटल हो गया है। यहां विभिन्न प्रकार के डिजिटल संसाधन उपलब्ध हैं। इनमें ई-बुक्स, ई-जर्नल्स, शोध प्रबंध, ई-पत्रिकाएं, ऑनलाइन डेटाबेस, शैक्षणिक वेबसाइट्स एवं ओपन एक्सेस संसाधन शामिल हैं।

विवि में मंगलवार को पुस्तकालय की ओर विकसित एवं उपलब्ध कराए गए डिजिटल संसाधनों तथा डिजिटल संग्रह विषय पर एक प्रस्तुति कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सत्यकाम ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि विवि के 100 से अधिक शोध छात्रों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने शोध छात्रों से लाइब्रेरी का लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बोलते प्रो. सत्यकाम। स्रोत: विवि

कुलपति ने कहा कि अब विद्यार्थी शोध गंगा, ई-पीजी पाठशाला, एनडीएलआई, डीओएजे, इन्फ्लिबनेट जैसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. रामजन्म मौर्य ने कहा कि यह प्रस्तुति कार्यक्रम डिजिटल युग में पुस्तकालय की भूमिका को समझने तथा शैक्षणिक विकास में डिजिटल संसाधनों के महत्व को रेखांकित करने में सफल रहा। ब्यूरो

समझने और अभ्यास का विषय है गणित : प्रो. सत्यदेव

प्रयागराज। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के तहत जिला विज्ञान क्लब की ओर से मंगलवार को केसर विद्यापीठ